अमर उजाला वृंदावन-मथुरा amarujala.com

रामचरित मानस संस्कार ग्रंथ : भाटिया

कलाकारों ने राम जन्म से लेकर राम चरित्र की लीलाओं का किया मंचन

संवाद न्यूज एजेंसी

मथुरा। ज्ञानदीप शिक्षा भारती सभागार में केंद्रीय संगीत नाटक अकादमी की अनुदान योजना के अंतर्गत तुलसीदास नाटिका का मंचन हुआ। दीपक शर्मा के निर्देशन में लोक कला मंडल के कलाकारों ने राम जन्म से लेकर राम चरित्र की अनेक लीलाओं का बखूबी ढंग से मंचन किया।

कार्यक्रम का प्रारंभ पद्मश्री मोहन स्वरूप भाटिया, ज्ञानदीप की प्राचार्या रजनी नौटियाल, प्रशासनिक अधिकारी आशीष भाटिया तथा ब्रज लोक कला मंडल की सचिव मीरा चंदेल ने दीप जलाकर किया। गोस्वामी तुलसीदास की भूमिका में प्रसिद्ध कलाकार साजन चतुर्वेदी ने 'श्री रामचंद्र कृपालु भजमन कौशल्या हितकारी' के गायन के साथ प्रारंभ राम जन्म, बाल लीला, श्रीराम लक्ष्मण का जनकपुर आगमन, धनुष भंग लीला, सीता-राम विवाह, राम बनवास आदि लीलाओं का मंचन किया। कार्यक्रम में 6 वर्षीय प्रतिभाशाली बाल कलाकार अथर्वकृष्ण, खुशबू, डौली, इच्छा, दीक्षा, आदित्य, शिवा, रोशनी, सोनम तथा प्राची ने अपनी भूमिकाओं से दर्शकों को प्रभावित किया। नृत्य निर्देशन कुमारी जागृति ने किया। ब्रज लोक कला मंडल की अध्यक्ष मीरा चंदेल को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। समापन अवसर पर ज्ञानदीप शिक्षा भारती के संस्थापक सचिव पद्मश्री मोहन स्वरूप भाटिया ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने जिस रामचरित मानस की रचना की है वह मात्र काव्य ग्रंथ न होकर संस्कार ग्रंथ है।

पद्मश्री मोहन स्वरूप भाटिया को सम्मानित करते आयोजक (ऊपर)। नीचे कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार। संवाद